दो भाषाओं में एक साथ पुस्तक लेखन दुरूह कार्य

विधि के पूर्व आचार्य प्रो. रामनरेश चौधरी की पुस्तक का विमोचन

कामर्शियल विवादों के त्वरित निवारण पर आधारित है पुस्तक

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने प्रशासनिक भवन के कमेटी हाल में विधि विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. रामनरेश चौधरी द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया।

इस दौरान कुलपति प्रो. टंडन ने कहा कि पुस्तक लेखन के मामले में इनका उत्साह किसी युवा लेखक की भांति है. वास्तव में किसी पुस्तक का लेखन दो भाषाओं में एकसाथ करना अपने में विलक्षण कार्य है। प्रो. रामनरेश चौधरी ने पुस्तक के बारे में बताते हुए कहा कि यह पुस्तक कामर्शियल कोर्ट एक्ट 2015 का मुख्य उद्देश्य कामर्शियल विवादों का त्वरित एवं सुगम निवारण है जो [illegible] द्वारा की गयी व्यावहारिक व्यवस्था को उल्लेखित करना है।

कुलसचिव की उपस्थिति में विधि संकाय के अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष प्रो. अहमद नसीम ने स्वागत किया। इस दौरान गोरखपुर बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष प्रो. मधुसूदन त्रिपाठी, सहित अनेक अधिवक्ताओं तथा शिक्षकों की उपस्थिति रही।

विश्वविद्यालय में विधि विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. रामनरेश चौधरी द्वारा लिखित पुस्तक का लोकार्पण करती कुलपति प्रो. पूनम टंडन, प्रो. अहमद नसीम व अन्य।

फोटो : एसएनबी